मिशन UP PET 2023

HINDI

PREVIOUS YEAR QUESTIONS

UPPET 2021 & 2022

पिछले वर्षों के आधार पर

BY HINDI GURU

Uttar Pradesh Subordinate Services Selection Commission

उत्तर प्रदेश सरकार

LIVE 05:00 PM

Q1.

सही वर्तनी शब्द का चयन कीजिए। (Exam Oriented)

(1) अन्त्याक्षरी

(2) पूज्यनीय

(3) तदोपरान्त

(4) कवियित्री

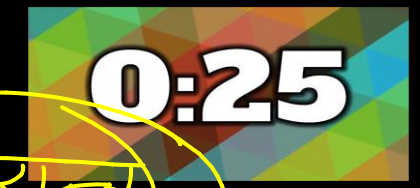

Q2.
'राज्यपाल' में कौन सी संज्ञा है? **(Exam Oriented)**

(1) व्यक्तिवाचक
(2) जातिवाचक
(3) भाववाचक
(4) समूहवाचक

0:25

Q3 'भले और महान लोग उचित और संयमित व्यवहार करते है।' वाक्य में कितने विशेषण और विशेष्य है?

(Exam Oriented)

(1) दो विशेषण और दो विशेष्य

(2) तीन विशेषण और दो विशेष्य

(3) चार विशेषण और तीन विशेष्य

(4) चार विशेषण और दो विशेष्य

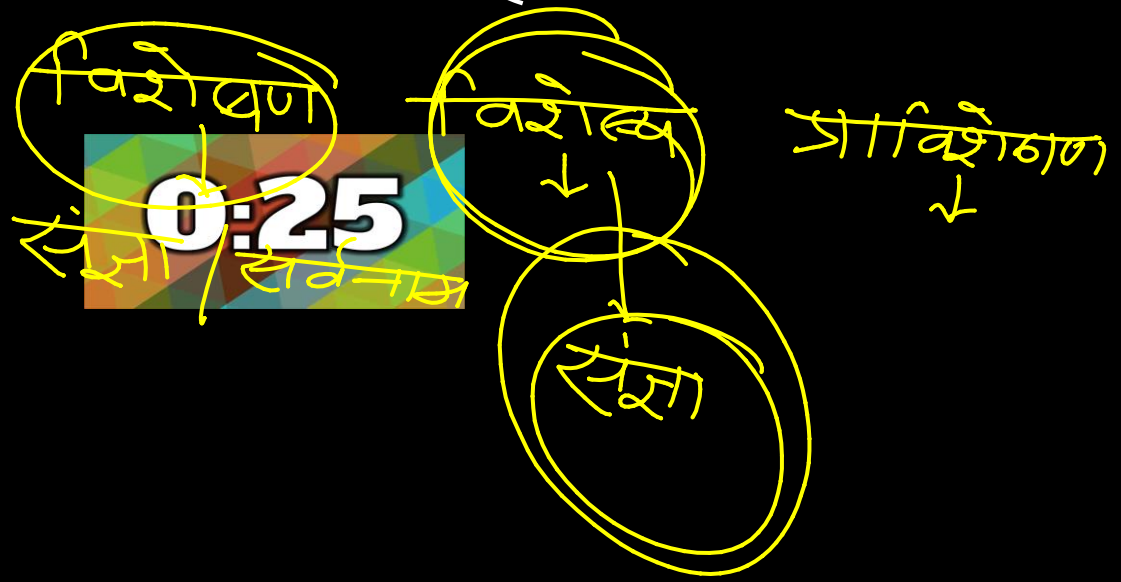

Q4.

निम्न में से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है? (Exam Oriented)

(1) उपहार
(2) ग्रन्थ
(3) मस्तक
(4) रचना

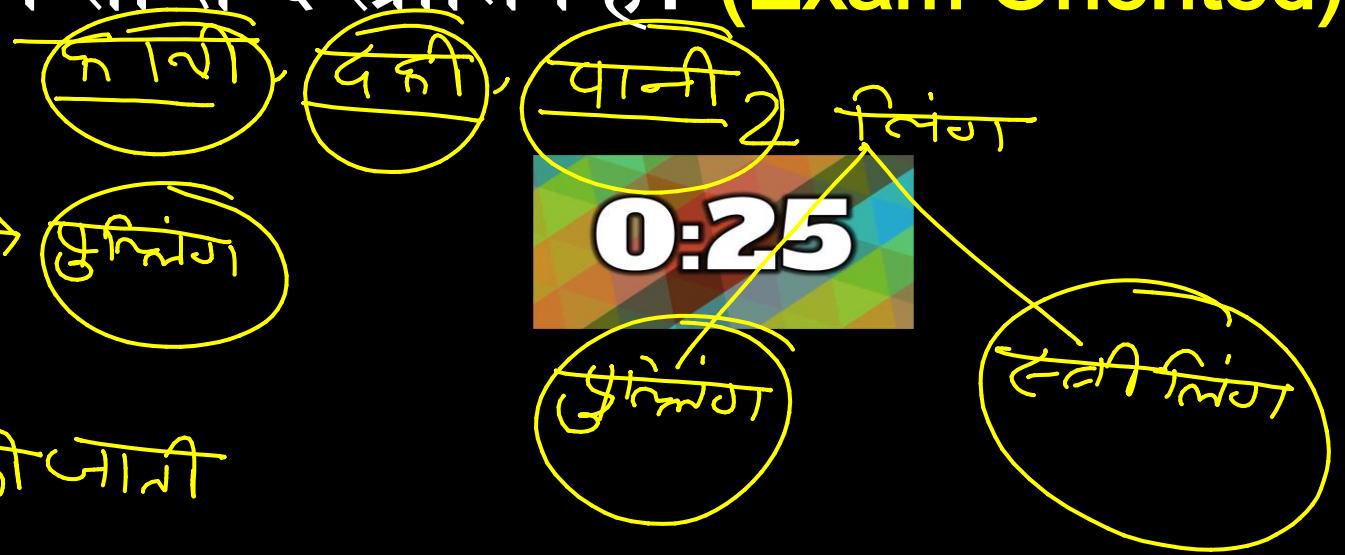

Q5.

निम्न में से कौन-सा शब्द तद्भव है? (Exam Oriented)

(1) कोयल → कोकिल (तत्सम)
(2) आश्चर्य → अचरज
(3) उज्ज्वल → उजाला
(4) कंटक → काँटा

0:25

आश्चर्य

अनुस्वार कंटक

ँ काँटा → चन्द्रबिन्दु

ं → अनुस्वार

ः → विसर्ग

Q6.

'पाश्चात्य' का विलोमार्थक शब्द है-(Exam Oriented)

→ पीछे का, पिछला

(1) पौर्वात्य

(2) पूर्वी → पश्चिमी

(3) पूर्वीय

(4) नवीन → प्राचीन

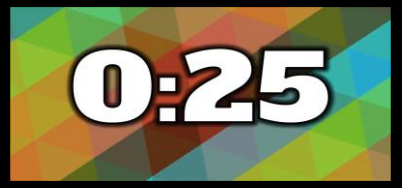

Q7.

'शाखामृग' शब्द का पर्यायवाची बताइए-(Exam Oriented)

(1) हिरण
(2) वानर
(3) तोता
(4) भौंरा

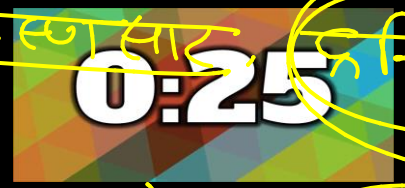

Q8.

निम्न में से कौन सा 'आधि-व्याधि' शब्द युग्म में आधि का अर्थ है?

(Exam Oriented)

(1) मानसिक कष्ट

(2) आधा

(3) पागलपन

(4) अधकपारी जैसे रोग

Q9.

किस शब्द में विसर्ग संधि है? (Exam Oriented)

(1) विधायक → विधै + अक → अयादि संधि

(2) उल्लास → उत् + लास → व्यंजन संधि

(3) अहंकार → अहम् + कार → व्यंजन संधि

(4) दुर्जन → दुः + जन → विसर्ग संधि

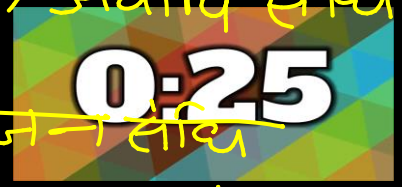

Q10.
निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ क्या है? (Exam Oriented)
“घंमडी के तीन होना”

(1) परास्त हो जाना
(2) बहुत सस्ता होना
(3) मर जाना
(4) ध्वस्त हो जाना

निर्देश(11-15): निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर चुनिए: (Exam Oriented)

संसार में दो अचूक शक्तियाँ है-वाणी और कर्म। कुछ लोग वचन से संसार को राह दिखाते हैं और कुछ लोग कर्म से। शब्द और आचार दोनों ही महान शक्तियाँ हैं। शब्द की महिमा अपार है। विश्व में साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र सब शब्द-शक्ति के प्रतीक प्रमाण हैं। पर कोरे शब्द व्यर्थ होते हैं, जिनका आचरण न हो। कर्म के बिना, व्यवहार के बिना सिद्धान्त की सार्थकता नहीं है। निस्संदेह शब्द-शक्ति महान है, पर चिरस्थायी और सनातनी शक्ति तो व्यवहार है। महात्मा गांधी ने इन दोनों की कठिन और अद्भुत साधना की थी। महात्मा जी का सम्पूर्ण जीवन उन्हीं दोनों से युक्त था। वे वाणी और व्वयहार में एक थे। जो कहते थे वही करते थे। यही उनकी महानता का रहस्य है। कस्तूरबा ने शब्द की अपेक्षा कृति की उपासना की

वे तो कर्म की उपासिका थीं। उनका विश्वास शब्दों की अपेक्षा कर्मों में था। वे जो कहा करती थीं उसे पूरा करती थी। वे रचनात्मक कर्मों को प्रधानता देती थी। इसी के बल पर उन्होंने अपने जीवन में सार्थकता और सफलता प्राप्त की थी।

संसार में दो अचूक शक्तियाँ है- वाणी और कर्म। कुछ लोग वचन से संसार को राह दिखाते हैं और कुछ लोग कर्म से। शब्द और आचार दोनों ही महान शक्तियाँ हैं। शब्द की महिमा अपार है।

Q11.

प्राय: सज्जन व्यक्ति संसार को राह दिखाते हैं--

(1) अपनी कार्यकुशलता से

(2) अपनी सेवा-भावना से

(3) अपने कर्म एवं वाणी से

(4) प्रत्येक व्यक्ति की मदद करने की भावना से

विश्व में साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र सब शब्द-शक्ति के प्रतीक प्रमाण हैं। पर कोरे शब्द व्यर्थ होते हैं, जिनका आचरण न हो। कर्म के बिना, व्यवहार के बिना सिद्धान्त की सार्थकता नहीं है।

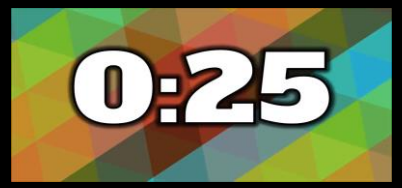

Q12.
जगत में साहित्य, कला और विज्ञान-शास्त्र--
(1) शब्द-शक्ति का ज्ञान कराते हैं।
(2) शब्द-शक्ति के रूप हैं।
(3) शब्द-शक्ति के प्रामाणिक रूप हैं।
(4) शब्द-शक्ति से अलग नहीं हैं।

महात्मा गांधी ने इन दोनों की कठिन और अद्भुत साधना की थी। महात्मा जी का सम्पूर्ण जीवन उन्हीं दोनों से युक्त था। वे वाणी और व्वयहार में एक थे। जो कहते थे वही करते थे। यही उनकी महानता का रहस्य है।

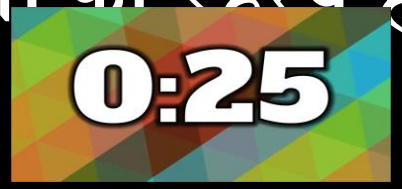

Q13.
गद्यांश के अंतर्गत 'गांधी जी' की महानता यह थी कि वे-
(1) जो कहते थे, वही करते थे।
(2) सदैव गरीबों की मदद करते थे।
(3) सदैव हिंसा से अपने आपको दूर रखते थे।
(4) सदैव सत्य का सहारा लेते थे।

विश्व में साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र सब शब्द-शक्ति के प्रतीक प्रमाण हैं। पर कोरे शब्द व्यर्थ होते हैं, जिनका आचरण न हो। कर्म के बिना, व्यवहार के बिना सिद्धान्त की सार्थकता नहीं है। निस्संदेह शब्द-शक्ति महान है, पर चिरस्थायी और सनातनी शक्ति तो व्यवहार है। महात्मा गांधी ने इन दोनों [illegible] और अद्भुत साधना का था।

Q14.

शब्द-शक्ति के महान् होते हुए भी----

(1) व्यवहार भी शक्ति शाली है।

(2) व्यवहार भी एक-शक्ति के रूप में है

(3) शब्द-शक्ति एवं व्यवहार दोनों महान् है।

(4) व्यवहार की सनातनी शक्ति है।

0:25

संसार में दो अचूक शक्तियाँ है- वाणी और कर्म। कुछ लोग वचन से संसार को राह दिखाते हैं और कुछ लोग कर्म से। शब्द और आचार दोनों ही महान शक्तियाँ हैं। शब्द की महिमा अपार है।

Q15.
उपर्युक्त अनुच्छेद का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा---

(1) वाणी और कर्म
(2) निष्ठामूर्ति कस्तूरबा
(3) महात्मा गांधी
(4) कस्तूरबा और गांधी

Thank You!